दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 27.02.2026

प्रकाशनार्थ

दिनांक 27.02.2026 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर में आई.क्यू.ए.सी. एवं प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा "इम्पैक्ट ऑफ एसिड रेन ऑन प्लान्ट ग्रोथ" विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें **मुख्य अतिथि प्रो. अजय सिंह, समन्वयक, आई.क्यू.ए.सी., दी.द.उ.गोरखपुर वि.वि.गोरखपुर** ने कहा कि अम्लीय वर्षा कृषि के लिए अत्यन्त हानिकारक है जो मिट्टी की उर्वरता को नष्ट कर फसलों को सीधे नुकसान पहुँचाती है। यह मिट्टी से आवश्यक पोषक तत्व जैसे–कैल्शियम व मैग्निशियम जैसे तत्वों को बहा देती है और एल्युमिनियम जैसै विषैले तत्वों को मुक्त करती है जिससे पौधों की वृद्धि रूक जाती है, पत्तियॉ पीली पड़ जाती है और फसल की पैदावार में भी गिरावट आती है। इसके साथ ही अंधाधुंध फर्टिलाइजर का प्रयोग भी हमें काफी नुकसान पहुँचाता है। इन सबके प्रभाव से उत्पादन क्षमता घट जाती है। अम्लीय वर्षा मछली पालन के लिये भी नुकसानदेह सिद्ध होता है। यह तालाबों का पी.एच.स्तर कम करके मछलियों के गलफड़ों को नुकसान पहुचाती है और उनके प्रजनन प्रक्रिया को बाधित करती है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. अमरनाथ तिवारी, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग, महंत अवेद्यनाथ राजकीय महाविद्यालय, जंगल कौड़िया, गोरखपुर ने कहा कि विज्ञान ने प्रकृति के रहस्यों को सिद्धान्त के रूप में लाकर मानवता की सेवा करने का प्रयास किया हैं तकनीकी व उद्यमिता को हमें साथ लेकर चलना होगा, तभी अपेक्षित सफलता प्राप्त होगी। जीवन में असफलता से भी हमे सीख लेनी चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि एसिड रेन के प्रभाव से खेती के साथ ही अन्डरग्राउण्ड पानी सीधे पीने लायक नही रह जाता। प्राकृतिक संसाधनों को अंधाधुंध दोहन पर्यावरण को नुकसान पहुँचा रहा है। वास्तव में प्रकृति के साथ हमारे सम्बन्ध के केयरिंग व सेयरिंग के होने चाहिए। पश्चिमी विकास के मॉडल में इसका बिल्कुल भी ध्यान नही दिया है।

कार्यक्रम में अतिथि परिचय प्रो. परीक्षित सिंह, समन्वयक, आई.क्यू.ए.सी ने एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिता कुमारी, प्राणि विज्ञान विभाग तथा आभार ज्ञापन डॉ. हिमाशु यादव ने किया। उक्त अवसर पर, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. अनिल भाष्कर, डॉ. नितीश शुक्ला, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. सूरज शुक्ला, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. रमाशंकर सिंह यादव, डॉ. कचनलता सिंह सहित शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

डॉ.(सुनील कुमार सिंह)
सह–प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क